



Reeva

05 Jan 2024

12:29 PM

Nagercoil

Model: web-freekundliweb

Order No: 121468011

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 05/01/2024
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 12:29:00 घंटे
इष्ट _____: 14:43:13 घटी
स्थान _____: Nagercoil
राज्य _____: Tamil Nadu
देश _____: India

अक्षांश _____: 08:10:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:08:44 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:04 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:06:16 घंटे
सूर्योदय _____: 06:35:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:15:16 घंटे
दिनमान _____: 11:39:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 20:13:17 धनु
लग्न के अंश _____: 24:55:46 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मीन - गुरु
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: चित्रा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: सुकर्मा
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

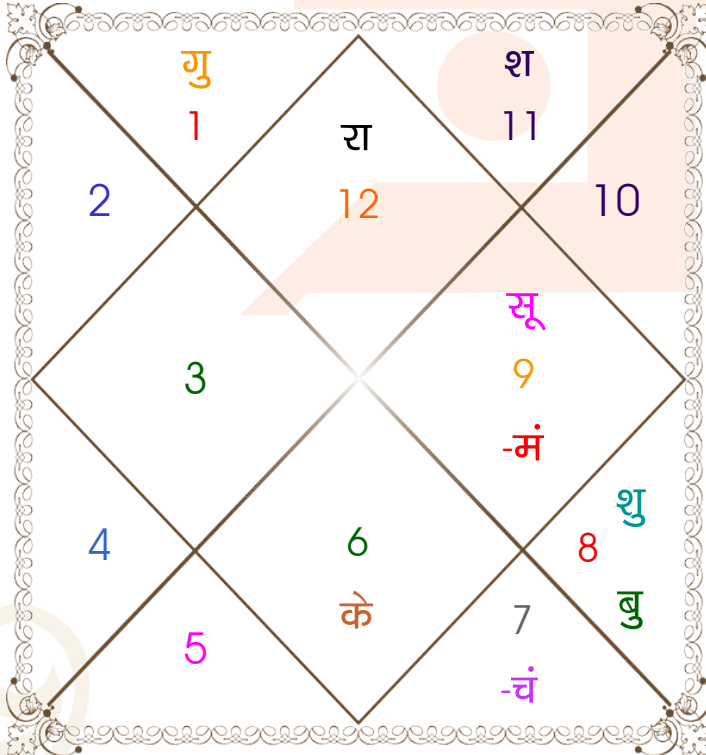
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		मीन	24:55:46	410:58:36	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य		धनु	20:13:17	01:01:10	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र		तुला	02:54:29	12:14:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल	अ	धनु	06:18:21	00:44:41	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		वृश्चि	28:41:40	00:25:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु		मेष	11:26:11	00:01:05	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र		वृश्चि	13:38:54	01:13:12	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि		कुंभ	09:26:33	00:05:36	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व	मीन	26:45:49	00:00:21	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व	कन्या	26:45:49	00:00:21	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व	मेष	25:06:21	00:01:07	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप		मीन	00:57:09	00:01:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो		मक	05:18:04	00:01:54	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव		धनु	21:04:21	--	पूर्वाषाढा	--	20	गुरु	शुक्र	गुरु	--

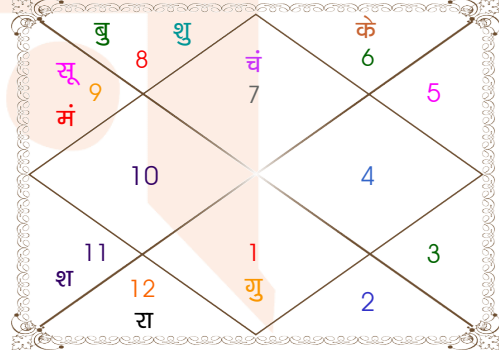
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:27

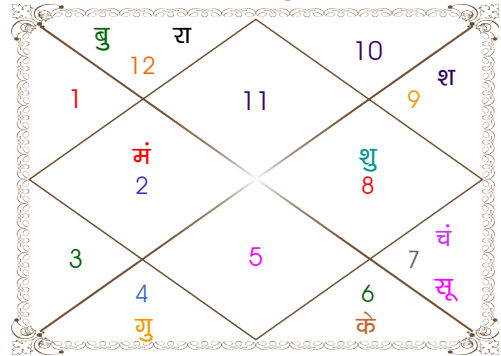
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 20 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
05/01/2024	26/12/2025	26/12/2043	26/12/2059	26/12/2078
26/12/2025	26/12/2043	26/12/2059	26/12/2078	26/12/2095
00/00/0000	राहु 07/09/2028	गुरु 12/02/2046	शनि 29/12/2062	बुध 24/05/2081
00/00/0000	गुरु 01/02/2031	शनि 26/08/2048	बुध 07/09/2065	केतु 21/05/2082
00/00/0000	शनि 08/12/2033	बुध 02/12/2050	केतु 17/10/2066	शुक्र 21/03/2085
00/00/0000	बुध 26/06/2036	केतु 08/11/2051	शुक्र 17/12/2069	सूर्य 25/01/2086
00/00/0000	केतु 14/07/2037	शुक्र 09/07/2054	सूर्य 29/11/2070	चंद्र 27/06/2087
05/01/2024	शुक्र 14/07/2040	सूर्य 27/04/2055	चंद्र 29/06/2072	मंगल 23/06/2088
शुक्र 19/01/2025	सूर्य 08/06/2041	चंद्र 26/08/2056	मंगल 08/08/2073	राहु 10/01/2091
सूर्य 27/05/2025	चंद्र 08/12/2042	मंगल 02/08/2057	राहु 14/06/2076	गुरु 17/04/2093
चंद्र 26/12/2025	मंगल 26/12/2043	राहु 26/12/2059	गुरु 26/12/2078	शनि 26/12/2095

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
26/12/2095	27/12/2102	27/12/2122	27/12/2128	27/12/2138
27/12/2102	27/12/2122	27/12/2128	27/12/2138	00/00/0000
केतु 23/05/2096	शुक्र 28/04/2106	सूर्य 16/04/2123	चंद्र 27/10/2129	मंगल 25/05/2139
शुक्र 24/07/2097	सूर्य 28/04/2107	चंद्र 15/10/2123	मंगल 28/05/2130	राहु 12/06/2140
सूर्य 28/11/2097	चंद्र 27/12/2108	मंगल 20/02/2124	राहु 27/11/2131	गुरु 19/05/2141
चंद्र 29/06/2098	मंगल 26/02/2110	राहु 14/01/2125	गुरु 28/03/2133	शनि 27/06/2142
मंगल 26/11/2098	राहु 25/02/2113	गुरु 02/11/2125	शनि 27/10/2134	बुध 25/06/2143
राहु 14/12/2099	गुरु 27/10/2115	शनि 15/10/2126	बुध 28/03/2136	केतु 21/11/2143
गुरु 20/11/2100	शनि 27/12/2118	बुध 21/08/2127	केतु 27/10/2136	शुक्र 06/01/2144
शनि 30/12/2101	बुध 27/10/2121	केतु 27/12/2127	शुक्र 27/06/2138	00/00/0000
बुध 27/12/2102	केतु 27/12/2122	शुक्र 27/12/2128	सूर्य 27/12/2138	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृत्ति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृत्ति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगों की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते हैं। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृत्ति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृत्ति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते हैं तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।